Maharashtra Education Society's

Abasaheb Garware College

(Autonomous)

(Affiliated to Savitribai Phule Pune University)

Two Year M.A. Degree Program in Hindi

(Faculty of Humanities)

Syllabus under Autonomy

M.A. II (Hindi)

Choice Based Credit System Syllabus

To be implemented from the Academic Year, 2023-24

Structure of the Coruse : M.A. II (Hindi)

Admission Eligibility : Any Graduate Complete Hindi

HINDI STRUCTURE

POST GRADUATE

Sr. No	Year	Semester	Course Type	Paper Number	Course Code	Title of Paper	No. of Credits	No. of Lectures
1	MA-I	1	Theory	**HN -C1**	PAHN-111	मध्ययुगीन काव्य	4	60
				HN -C2	PAHN-112	कथा साहित्य	4	60
				HN -C3	PAHN-113	भारतीय काव्यशास्त्र	4	60
				HN-C4	PAHNELE -114A PAHNELE 114B	वैकल्पिक: (क) हिंदी पत्रकारिता (ख) नाटककार मोहन राकेश	4	60
		2	Theory	**HN-C5**	PAHN-121	कथेतर गद्य साहित्य	4	60
				HN-C6	PAHN-122	शोध प्रविधि	4	60
				HN-C7	PAHN-123	पाश्चात्य काव्यशास्त्र	4	60
				HN-C8	PAHNELE -124C PAHNELE -124D	वैकल्पिक: (ग)शैली विज्ञान एवं सौंदर्यशास्त्र (घ) हिंदी उपन्यास साहित्य	4	60

2	MA-II	3	Theory	**HN C9**	PAHN-231	आधुनिक काव्य (आदर्शवादी, छायावादी तथा अन्य काव्य)	4	60
				HN-C10	PAHN-232	भाषा विज्ञान	4	60
				HN-C11	PAHN-233	हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल, भक्तिकाल, रीतिकाल)	4	60
				HN-C12	PAHNELE-234A PAHNELE 234B	वैकल्पिक: (क) हिंदी आलोचना (ख) संचार माध्यम: सिद्धांत और स्वरूप	4	60
		4	Theory	**HN-C13**	PAHN-241	आधुनिक कविता	4	60
				HN-C14	PAHN-242	हिंदी भाषा का विकास	4	60
				HN-C15	PAHN-243	हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)	4	60
				HN-C16		वैकल्पिक :	4	60

					PAHNELE - 244A PAHNELE -244B	(क) भारतीय लोकसाहित्य (ख) भारतीय साहित्य		

एम. ए. हिंदी द्वितीय वर्ष

तृतीय अयन

कोर्स नं.	**तृतीय अयन**	
9	आधुनिक काव्य (आदर्शवादी,छायावादी तथा अन्य काव्य)	
10	भाषा विज्ञान	
11	हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल, भक्तीकाल, रीतिकाल)	
12	वैकल्पिक	
	क)	हिंदी आलोचना
	ख)	संचार माध्यम : सिद्धांत और स्वरूप

एम. ए. हिंदी साहित्य (द्वितीय वर्ष)

तृतीय अयन (Third Semester)

पाठ्यचर्या : (PAHN-231) आधुनिक काव्य (आदर्शवादी, छायावादी तथा अन्य काव्य)

4 कर्माक (Credit)

उद्देश्य :

1. छात्रों को आधुनिक काव्य से अवगत कराना.
2. छात्रों में आधुनिक काव्य-अध्ययन की दृष्टि विकसित करना.
3. काव्य मूल्यांकन- दृष्टि विकसित करना.
4. काव्य संवेदना एवं शिल्पगत अध्ययन से छात्रों को अवगत करना.
5. छात्रों में काव्य-सर्जन कला का विकास करना.

इकाई	पाठ्यविषय	तासिकाएँ
इकाई— 1	साकेत (नवम् सर्ग) - मैथिलीशरण गुप्त संवदेना एवं शिल्पगत अध्ययन	15 तासिकाएँ
इकाई II	कामायनी (श्रद्धा सर्ग) संवदेना एवं शिल्पगत अध्ययन	15 तासिकाएँ
इकाई III	1) बीन भी हूँ मैं तुम्हारी रागिनी भी हूँ- महादेवी वर्मा 2) पहाड़ी बच्चा- निर्मल पुतुल 3) कूड़ा बीनते बच्चे – अनामिका 4) जिंदगी का नमक - निर्मला गर्ग 5) अंधेरे में बुद्ध - गगन गिल उक्त रचनाओं का, संवदेना एवं शिल्पगत अध्ययन।	15 तासिकाएँ

इकाई -IV	1) बात बोलेगी - शमशेर बहादुर सिंह 2) एक पीली शाम - शमशेर बहादुर सिंह 3) भारत की आरती - शमशेर बहादुर सिंह 4) रोटी और संसद – धूमिल 5) मोचीराम - धूमिल उक्त रचनाओं का संवदेना एवं शिल्पगत अध्ययन।	15 तासिकाएँ

संदर्भ ग्रंथ :

1. काव्य प्रसून – संपादक हिंदी अध्ययन मंडल, सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय, पुणे, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

2 कामायनी का पुनर्मूल्यांकन - डॉ. रामस्वरूप चतुर्वेदी

3. कामायनी : एक पुनर्विचार - ग. मा. मुक्तिबोध

4. साकेत - मैथिलीशरण गुप्त

5. कामायनी - जयशंकर प्रसाद

6. नये कविता के प्रतिमान - डॉ. नामवर सिंह

7 . अनामिका का काव्य : आधुनिक स्त्री विमर्श - मंजु रस्तोगी

8. साकेत में पुनर्जागरण का आंदोलन - डॉ. जालिंदर इंगले।

***

एम. ए. हिंदी साहित्य (द्वितीय वर्ष)

तृतीय अयन (Third Semester)

पाठ्यचर्या : (PAHN-232) भाषा विज्ञान

4 कर्माक (Credit)

उद्देश्य :

1. भाषाविज्ञान के स्वरूप का परिचय देना.
2. छात्रों को भाषाविज्ञान की व्याप्ति समझाना.
3. भाषाविज्ञान के अध्ययन की दिशाओं का परिचय देना.
4. भाषाविज्ञान के अनुप्रयोगात्मक पक्ष को समझाना.
5. साहित्य - अध्ययन में भाषाविज्ञान की उपयोगिता समझाना.

इकाई	पाठ्यविषय	तासिकाएँ
इकाई 1	भाषाविज्ञान: परिभाषा, स्वरूप और व्याप्ति, अध्ययन की दिशाएँ भाषाविज्ञान का अन्य ज्ञानशाखाओं से संबंध	15 तासिकाएँ
इकाई II	स्वनिम विज्ञान: स्वन की परिभाषा, वागावयव और कार्य, स्वन वर्गीकरण, स्वनगुण, स्वनिम परिवर्तन	15 तासिकाएँ
इकाई III	रूपिम विज्ञान: रूप प्रक्रिया का स्वरूप और शाखाएँ, रूपिम की परिभाषा, रूपिम के भेद और प्रकार्य पदबंध और उपवाक्य: पदबंध का स्वरूप, पदबंध के भेद, उपवाक्य का स्वरूप, उपवाक्य के भेद	15 तासिकाएँ

इकाई -IV	वाक्य विज्ञान : वाक्य की परिभाषा और स्वरूप, वाक्य के भेद अर्थ विज्ञान : अर्थ की परिभाषा और स्वरूप, शब्द और अर्थ का संबंध, अर्थ परिवर्तन की दिशाएँ और कारण वाक्य की आवश्यकताएँ	15 तासिकाएँ

संदर्भ ग्रंथ :

1. भाषा और समाज -रामविलास शर्मा
2. आधुनिक भाषा विज्ञान- राजमणि शर्मा
3. सांस्कृतिक भाषा विज्ञान - डॉ. रामानंद तिवारी
4.भाषा विज्ञान - सं. डॉ. राजमल बोरा
5. भाषा शास्त्र तथा हिंदी भाषा की रूपरेखा - डॉ. देवेंद्रकुमार शास्त्री
6.भाषाविज्ञान - भोलानाथ तिवारी
7. भाषा विज्ञान एवं भाषाशास्त्र - डॉ. कपिलदेव द्विवेदी
8. हिंदी भाषा संरचना - डॉ. भोलानाथ तिवारी
9. आधुनिक भाषाविज्ञान - डॉ. कृपाशंकर सिंह, डॉ. चतुर्भुज सहाय
10. हिंदी का वाक्यात्मक कारण - प्रो. सूरजभान सिंह
11. भाषाविज्ञान के आधुनातन आयाम - डॉ. अंबादास देशमुख
12. ऐतिहासिक भाषा विज्ञान और हिंदी - राजेंद्र प्रसाद सिंह
13. भाषा विज्ञान : सैद्धांतिक चिंतन - रवींद्रनाथ श्रीवास्तव
14. भाषाशास्त्र के सूत्रधार - रवींद्रनाथ श्रीवास्तव
15. भाषा विज्ञान एवं हिंदी भाषा- लक्ष्मीकांत पाण्डेय / प्रमिला अवस्थी
16. भाषा विज्ञान एवं हिंदी भाषा - मुकेश अग्रवाल
17.भाषा विज्ञान, हिंदी भाषा और लिपि - राम किशोर शर्मा
18. भाषा विज्ञान की भूमिका - देवेंद्रनाथ शर्मा / दीप्ति शर्मा
19. अद्यतन भाषा विज्ञान - पाण्डेय शशिभूषण 'शीतांशु'
20. हिंदी भाषा विज्ञान - डॉ. बाबूराम
21. सामान्य भाषिकी - आर. एच. रोबिन्स
22. भाषिकी और संस्कृत भाषा - डॉ. देवीदत्त शर्मा

एम. ए. हिंदी साहित्य (द्वितीय वर्ष)

तृतीय अयन (Third Semester)

पाठ्यचर्या : (PAHN-233) हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल, भक्तिकाल, रीतिकाल)

4 कर्माक (Credit)

उद्देश्य :

1. हिंदी साहित्येतिहास लेखन का परिचय देना.
2. हिंदी साहित्येतिहास के कालविभाजन तथा नामकरण का परिचय देना.
3. आदिकालीन, भक्तिकालीन, रीतिकालीन प्रमुख साहित्यिक प्रवृत्तियों, रचनाकारों और रचनाओं से परिचित कराना.

इकाई	पाठ्यविषय	तासिकाएँ
इकाई 1	हिंदी साहित्येतिहास दर्शन, हिंदी साहित्येतिहास लेखन की पद्धतियाँ, हिंदी साहित्य का इतिहास: काल विभाजन और नामकरण	15 तासिकाएँ
इकाई II	आदिकाल की सामाजिक, सांस्कृतिक पृष्ठभूमि रासो साहित्य, जैन साहित्य, सिद्ध और नाथ साहित्य अमीर खुसरों की हिंदी कविता आदिकाल का लोक साहित्य	15 तासिकाएँ
इकाई III	भक्ति आंदोलन का अखिल भारतीय स्वरूप आलवार संत, भक्तिकाल के प्रमुख संप्रदाय और उनका वैचारिक आधार निर्गुण-सगुण कवि और उनका काव्य निर्गुण धारा के कवि : कबीर, जायसी, सगुण धारा के कवि : सूरदास, तुलसीदास,	15 तासिकाएँ

इकाई -IV	रीतिकाल की सामाजिक-सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, रीतिकाल की प्रमुख प्रवृत्तियाँ- रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध और रीतिमुक्त रीतिकाल के प्रमुख कवि और उनका काव्य : बिहारी, भूषण	15 तासिकाएँ

संदर्भ ग्रंथ :

1.हिंदी साहित्य का इतिहास- आ. रामचंद्र शुक्ल

2. हिंदी साहित्य की भूमिका - आ. हजारीप्रसाद द्विवेदी

3. हिंदी साहित्य का आदिकाल -आ. हजारीप्रसाद द्विवेदी

4. हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास - डॉ. गणपतिचंद्र गुप्त

5. हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास - डॉ. रामकुमार वर्मा

6. हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास - रामस्वरूप चतुर्वेदी

7. हिंदी साहित्य का इतिहास - डॉ. नगेंद्र

8. हिंदी साहित्य का अतीत - विश्वनाथ प्रसाद मिश्र

9. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास - बच्चन सिंह

10. हिंदी साहित्य का इतिहास - प्रो. माधव सोनटक्के

***

एम. ए. हिंदी साहित्य (द्वितीय वर्ष)

तृतीय अयन (Third Semester) वैकल्पिक

पाठ्यचर्या : (PAHNELE-234A) (क) हिंदी आलोचना

4 कर्मांक (Credit)

उद्देश्य :

1. आलोचना के स्वरूप एवं विविध प्रकारों से अवगत कराना.
2. हिंदी के प्रमुख आलोचकों के आलोचनात्मक प्रतीमानों का परिचय देना.
3. साहित्यालोचन एवं व्यावहारिक समीक्षा दृष्टि विकसित करना.

इकाई	पाठ्यविषय	तासिकाएँ
इकाई— 1	आलोचना : परिभाषा ,स्वरूप एवं उद्देश्य आलोचक के गुण आलोचना और अनुसंधान	15 तासिकाएँ
इकाई II	आलोचना दृष्टियाँ एवं पद्धतियाँ मार्क्सवादी, मनोवैज्ञानिक, शैलीवैज्ञानिक, प्रकृतिवादी, स्वच्छंदतावादी	15 तासिकाएँ
इकाई -III	हिंदी आलोचना का संक्षिप्त इतिहास, भारतेंदुकालीन आलोचना, द्विवेदीयुगीन आलोचना, आ. शुक्ल युगीन आलोचना, शुक्लोतर आलोचना, समकालीन आलोचना	15 तासिकाएँ
इकाई -IV	हिंदी के प्रमुख आलोचक	15 तासिकाएँ

	आ. रामचंद्र शुक्ल, आ. नंददुलारे वाजपेयी, आ. हजारीप्रसाद द्विवेदी, डॉ. रामविलास शर्मा, डॉ. नामवर सिंह डॉ. नगेन्द्र डॉ. तेजसिंह इलाचंद्र जोशी	

संदर्भ ग्रंथ :

1. समीक्षा शास्त्र- डॉ. दशरथ ओझा
2. हिंदी आलोचना के आधार स्तंभ- डॉ. रामेश्वरलाल खंडेलवाल
3. आलोचनाः प्रकृति और परिवेश - डॉ. तारकानाथ बाली
4. आ. शुक्ल के समीक्षा सिद्धांत - डॉ. रामलाल सिंह
5. इतिहास और आलोचना - डॉ. नामवर सिंह
6. आधुनिक आलोचना के बीज शब्द - बच्चन सिंह
7. हिंदी आलोचना- विश्वनाथ त्रिपाठी
8. समकालीन आलोचक और आलोचना - रामबक्ष
9. हिंदी आलोचना के सैद्धांतिक आधार- कृष्णदत्त पालीवाल -
10. साहित्यशास्त्र तथा आलोचना - डॉ. माधव सोनटक्के
11. हिंदी आलोचना की पहचान - डॉ. राजमल बोरा
12. हिंदी आलोचना का बदलता परिप्रेक्ष्य -सं. डॉ. माधव सोनटक्के
13) आंबेडकरवादी आलोचक डॉ. तेजसिंह – सं.रजनी अनुरागी, मुकेश मानस, अधिकरण प्रकाशन

एम. ए. हिंदी साहित्य (द्वितीय वर्ष)

तृतीय अयन (Third Semester) वैकल्पिक

पाठ्यचर्या : (PAHNELE234B) (ख) संचार माध्यम सिद्धांत और स्वरूप

4 कर्माक (Credit)

उद्देश्य :

1. संचार माध्यम और संप्रेषण अवधारणाओं का परिचय देना.
2. संचार माध्यम की अवधारणा और स्वरूप का परिचय देना.
3. संचार माध्यम की बहुआयामी भूमिका का परिचय देना.
4. संचार माध्यम कौशल विकसित करना.

इकाई	पाठ्यविषय	तासिकाएँ
इकाई— 1	संचार, जनसंचार तथा संप्रेषण : अवधारणा,स्वरूप एवं इतिहास. संचार माध्यम: सिद्धांत और स्वरूप. संचार के संघटक तत्व. संचार माध्यम : महत्व एवं उद्देश. संचार से लाभ-हानि.	15 तासिकाएँ
इकाई II	सूचना क्रांति बनाम सूचना – उद्योग. संचार माध्यम के प्रकार: 1) परंपरागत, 2) मौखिक, 3) लिखित, 4) आधुनिक.	15 तासिकाएँ
इकाई -III	आधुनिक संचार माध्यम : 1) मुद्रित, 2) रेडियो, 3) चलचित्र, 4) विद्युतीय, 5) बहुमाध्यम, 6) हाइपर मीडिया संचार माध्यमों द्वारा संप्रेषित संदेश की भाषिक प्रकृति.	15 तासिकाएँ
इकाई -IV	संचार माध्यमों की बहुआयामी भूमिका : 1) जन संपर्क, 2) जन शिक्षण 3) जन प्रबोधन, 4) जन निर्माण, 5) जन समस्या का समाधान,	15 तासिकाएँ

	6) जन रंजन. वर्तमान सूचना क्रांति के विविध आयाम. संचार माध्यमों में हिंदी.	

संदर्भ ग्रंथ :

1. जनसंचार के विविध आयाम - ब्रजमोहन गुप्त
2. जनमाध्यम और मासकल्चर - जगदीश्वर चतुर्वेदी
3. जनमाध्यम और पत्रकारिता (भाग 1, 2) - प्रवीण दीक्षित
4. रेडियो और दूरदर्शन और हिंदी - डॉ. हरिमोहन
5. जनमाध्यम संप्रेषण और विकास - देवेंद्र इस्सर
6. सिनेमाई भाषा और हिंदी संवादों का विश्लेषण - डॉ. किशोर वासवानी
7. जनसचार - राधेश्याम शर्मा
8. जनसंचार सिद्धांत और अनुप्रयोग -विष्णु राजगढ़िया
9. जनसंचार माध्यम और पत्रकारिता सर्वांग - डॉ. जितेंद्र वत्स, डॉ. किरण बाल
10. जनसंचार और हिंदी पत्रकारिता - डॉ. अर्जुन तिवारी
11. आधुनिक पत्रकारिता और इलेक्ट्रनिक मीडिया - डॉ. जालिंदर इंगले

***

एम. ए. हिंदी साहित्य (द्वितीय वर्ष)

चतुर्थ अयन (Fourth Semester)

कोर्स नं	एम. ए. हिंदी साहित्य द्वितीय वर्ष (चतुर्थ अयन)	
13	आधुनिक कविता	
14	हिंदी भाषा का विकास	
15	हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिककाल)	
16	वैकल्पिक	
	क)	भारतीय लोकसाहित्य
	ख)	भारतीय साहित्य

एम. ए. हिंदी साहित्य (द्वितीय वर्ष)

चतुर्थ अयन (Fourth Semester)

पाठ्यचर्या: (PAHN-241) आधुनिक कविता

4 कर्माक (Credit)

उद्देश्य :

1. छात्रों को आधुनिक काव्य से अवगत कराना.
2. छात्रों में आधुनिक काव्य-अध्ययन की दृष्टि विकसित करना.
3. सर्जनात्मक कौशल से अवगत करना.
4. आलोचानात्मक दृष्टि विकसित करना.

इकाई	पाठ्यविषय	तासिकाएँ
इकाई— 1	1) रामदास – रघुवीर सहाय 2) शासन की बंदूक -नागार्जुन 3) मेरी आभा है इसी में- नागार्जुन 4) जन जन का चेहरा एक - मुक्तिबोध 5) भूल गलती -मुक्तिबोध उक्त रचनाओं का, संवदेना एवं शिल्पगत अध्ययन	15 तासिकाएँ
इकाई II	1) असाध्य वीणा - अज्ञेय 2) हीरोसिमा - अज्ञेय 3) कनुप्रिया अंश - धर्मवीर भारती 4) छिप छिप अश्रु बहानेवालो - नीरज 5) ठंडा लोहा - धर्मवीर भारती उक्त रचनाओं का संवदेना एवं शिल्पगत अध्ययन	15 तासिकाएँ

इकाई -III	1) आदिवासी स्त्रियाँ - निर्मला पुतुल 2) बूढी पृथ्वी का दुख - निर्मला पुतुल 3) दरवाजा - अनामिका 4) जनम ले रहा है नया पुरुष - अनामिका 5) मुक्तिप्रसंग - राजकमल चौधरी उक्त रचनाओं का, संवदेना एवं शिल्पगत अध्ययन	15 तासिकाएँ
इकाई -IV	1) पेड़ का नाच - लीलाधर मंडलोई 2) चिटी – अशोक वाजपेयी 3) गुँगा नहीं था मैं -जयप्रकाश कर्दम 4) बेमानी है आजादी- जयप्रकाश कर्दम 5) शुक्र है तू नहीं है - जयप्रकाश कर्दम उक्त रचनाओं का, संवदेना एवं शिल्पगत अध्ययन	15 तासिकाएँ

संदर्भ ग्रंथ :

1. 'काव्य सारंग' - संपादक हिंदी अध्ययन मंडल, सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय, पुणे, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

एम. ए. हिंदी साहित्य (द्वितीय वर्ष)

चतुर्थ अयन (Fourth Semester)

पाठ्यचर्या: (PAHN-242) हिंदी भाषा का विकास

4 कर्मांक (Credit)

उद्देश्य :

1.हिंदी भाषा की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि से अवगत कराना.

2. आधुनिक आर्य भाषाओं का परिचय देना.

3. हिंदी की स्वनिम व्यवस्था का परिचय देना.

4. हिंदी की रूप रचना से अवगत करना.

5. हिंदी भाषा के योगदान से अवगत करना.

इकाई	पाठ्यविषय	तासिकाएँ
इकाई— 1	हिंदी भाषा : उद्भव एवं विकास. प्राचीन भारतीय आर्य भाषाएँ : वैदिक संस्कृत, लौकिक संस्कृत. मध्यकालीन आर्य भाषाएँ : पालि, प्राकृत, शौरसेनी, पैशाची, महाराष्ट्री, अर्धमागधी, मागधी.	15 तासिकाएँ
इकाई II	आधुनिक भारतीय आर्य भाषाएँ : बंगाली, असमिया, उडिया, हिंदी, गुजराती, पंजाबी, सिंधी, गढवाली, मराठी. हिंदी की उपभाषाएँ.	15 तासिकाएँ
इकाई -III	हिंदी की स्वनिम व्यवस्था खंडय और खंडेयत्तर, हिंदी ध्वनियों के वर्गीकरण का आधार, हिंदी शब्द रचना उपसर्ग, प्रत्यय, समास.	15 तासिकाएँ

इकाई -IV	हिंदी की रूप रचना : पुरुष, काल, संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया रूप, लिंग, वचन, कारक व्यवस्था.	15 तासिकाएँ

संदर्भ ग्रंथ :

1. भाषाविज्ञान -डॉ. भोलानाथ तिवारी
2. भाषाशास्त्र तथा हिंदी भाषा की रूपरेखा - डॉ. देवेंद्रकुमार शास्त्री
3. भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र - डॉ. कपिलदेव द्विवेदी
4. हिंदी भाषा संरचना - डॉ.भोलानाथ तिवारी
5. आधुनिक भाषाविज्ञान - डॉ. कृपाशंकर सिंह, डॉ. चतुर्भुज सहाय
6. हिंदी का वाक्यात्मक कारण - प्रो. सूरजभान सिंह
7. भाषाविज्ञान के आधुनातन आयाम - डॉ. अंबादास देशमुख
8. ऐतिहासिक भाषा विज्ञान और हिंदी - राजेंद्र प्रसाद सिंह
9. भाषाविज्ञान सैद्धांतिक चिंतन - रवींद्रनाथ श्रीवास्तव
10. भाषाशास्त्र के सूत्रधार - रवींद्रनाथ श्रीवास्तव
11. भाषाविज्ञान एवं हिंदी भाषा - लक्ष्मीकांत पाण्डेय / प्रमिला अवस्थी
12. भाषाविज्ञान एवं हिंदी भाषा- मुकेश अग्रवाल
13. भाषाविज्ञान, हिंदी भाषा और लिपि - राम किशोर शर्मा

-*-

एम. ए. हिंदी साहित्य (द्वितीय वर्ष)

चतुर्थ अयन (Fourth Semester)

पाठ्यचर्या: (PAHN-243) हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)

4 कर्मांक (Credit)

उद्देश्य :

1. हिंदी गद्य के उद्भव और विकास से छात्रों को अवगत कराना.
2. द्विवेदी युग, छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कविता, साठोत्तरी हिंदी कविता के प्रमुख साहित्यिक प्रवृत्तियों, रचनाकारों और रचनाओं से परिचित कराना.
3. ऐतिहासिक दृष्टि विकसित करना.

इकाई	पाठ्यविषय	तासिकाएँ
इकाई— 1	हिंदी गद्य का उदभव और विकास : भारतेंदु पूर्व हिंदी गदय भारतेंदूयुगीन हिंदी गद्य	15 तासिकाएँ
इकाई II	द्विवेदी युग : महावीरप्रसाद द्विवेदी और उनका युग, राष्ट्रीय काव्यधारा के प्रमुख कवि, स्वच्छंदतावाद और उसके प्रमुख कवि.	15 तासिकाएँ
इकाई -III	छायावाद, प्रगतिवाद : छायावादी काव्य की प्रमुख विशेषताएँ, छायावाद के प्रमुख कवि प्रगतिवादी काव्य और प्रमुख कवि.	15 तासिकाएँ

इकाई -IV	प्रयोगवाद, नई कविता : प्रयोगवाद के प्रमुख कवि, प्रयोगवाद की विशेषताएँ नई कविता के प्रमुख कवि साठोत्तरी हिंदी कविता.	

संदर्भ ग्रंथ :

1. हिंदी साहित्य का इतिहास- आ. रामचंद्र शुक्ल
2. हिंदी साहित्य की भूमिका - आ. हजारीप्रसाद द्विवेदी
3. हिंदी साहित्य का आदिकाल - आ. हजारीप्रसाद द्विवेदी
4. हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास- डॉ. गणपतिचंद्र गुप्त
5. हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास- डॉ. रामकुमार वर्मा
6. हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास - रामस्वरूप चतुर्वेदी
7. हिंदी साहित्य का इतिहास- डॉ. नगेंद्र
8. हिंदी साहित्य का अतीत- विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
9. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास - बच्चन सिंह
10. हिंदी साहित्य का इतिहास - प्रो. माधव सोनटक्के
11. हिंदी साहित्य का नया इतिहास- डॉ. राजेंद्र मिश्र

***

एम. ए. हिंदी साहित्य (द्वितीय वर्ष)

चतुर्थ अयन (Fourth Semester) वैकल्पिक

पाठ्यचर्या: (PAHNELE -244A) (क) भारतीय लोकसाहित्य

4 कर्माक (Credit)

उद्देश्य :

1. लोकसाहित्य के स्वरूप एवं महत्व से परिचित कराना.
2. लोकसाहित्य के विविध प्रकारों से परिचित कराना.
3. लोक साहित्य की व्यापकता से परिचित कराना.
4. महाराष्ट्र के लोक साहित्य का परिचय देना.

इकाई	पाठ्यविषय	तासिकाएँ
इकाई— 1	लोकसाहित्य की परिभाषा, स्वरूप एवं विशेषताएँ, लोक संस्कृति और साहित्य, भारत में लोकसाहित्य के अध्ययन का इतिहास, लोकसाहित्य और शिष्ट साहित्य में अंतर.	15 तासिकाएँ
इकाई II	लोकसाहित्य संकलन : स्वरूप एवं उददेश्य संकलन की पद्धतियाँ, संकलनकर्ता की समस्याएँ तथा समाधान.	15 तासिकाएँ
इकाई -III	लोकगीत: संस्कार, व्रत, श्रम, ऋतु जाति. लोकनाट्य: रामलीला, रासलीला, कीर्तनिया, स्वांग, यक्षगान, भवाई,जात्रा. महाराष्ट्र का लोकनाट्य: तमाशा, गोंधळ, लावणी, पोतराज, सुंबरन, वासुदेव, भारुड,लळित, दशावतार, पोवाडा, कीर्तन. लोकगाथा: अवधारणा एवं स्वरूप.	15 तासिकाएँ
इकाई -IV	लोक-कथा : व्रत कथा, परी कथा, नाग कथा, बोध कथा, कथानक रूढियाँ. लोक संगीत: लोकवाद्य तथा विशिष्ट लोक धुनें. लोकभाषा : लोक सुभाषित, मुहावरे, कहावतें, पहेलियाँ.	15 तासिकाएँ

संदर्भ ग्रंथ :

1. भारतीय लोकसाहित्य - डॉ. श्याम परमार
2. लोकसाहित्य की भूमिका - डॉ. कृष्णदेव उपाध्याय
3. लोकसाहित्य की भूमिका - पं. रामनरेश त्रिपाठी
4. महाराष्ट्र की हिंदी लोककला – कृ .ग. दिवाकर
5. लोकसाहित्य और लोकसंस्कृति - दिनेश्वर प्रसाद
6. पारंपरिक भारतीय रंगमंच - कपिला वात्स्यायन, अनु. बरीउज्जया
7. लोकसाहित्य विज्ञान - डॉ. सत्येंद्र
8. लोकसाहित्य एवं लोक संस्कृति : परंपरा की प्रासंगिकता एवं सामाजिक परिप्रेक्ष्य – सं. वीरेंद्रसिंह यादव

***

एम. ए. हिंदी साहित्य (द्वितीय वर्ष)

चतुर्थ अयन (Fourth Semester)

वैकल्पिक पाठ्यचर्या: (PAHNELE -244B) (ख) भारतीय साहित्य

4 कर्माक (Credit)

उद्देश्य :

1. भारतीय साहित्य से छात्रों को अवगत कराना.
2. भारतीय साहित्य का स्वरूप समझाना.
3. भारतीय साहित्य के अध्ययन की समस्याएँ सुलझाना.
4. भारतीयता का समाजशास्त्र समझाना.

इकाई	पाठ्यविषय	तासिकाएँ
इकाई 1	भारतीय साहित्य की अवधारणा, भारतीय साहित्य का स्वरूप, भारतीय साहित्य के अध्ययन की समस्याएँ.	15 तासिकाएँ
इकाई II	भारतीय साहित्य में आज के भारत का बिब, भारतीयता का समाजशास्त्र, हिंदी साहित्य में भारतीय मूल्यों की अभिव्यक्ति.	15 तासिकाएँ
इकाई -III	कन्नड साहित्य का इतिहास 1) पंप पूर्व युग 2) पंप युग 3) बसवा युग 4) कुमार व्यास युग 5) आधुनिक युग	15 तासिकाएँ
इकाई -IV	बाकी इतिहास – बादल सरकार रचनाकार का व्यक्तित्व एवं कृतित्व, संवेदना एवं शिल्पगत अध्ययन.	15 तासिकाएँ

संदर्भ ग्रंथ:

1. बाकी इतिहात - बादल सरकार (अनुवाद- नेमिचंद्र जैन) राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली

2. भारतीय साहित्य - डॉ. छबिला त्रिपाठी

3. भारतीय साहित्य - डॉ. ब्रजकिशोर प्रसाद सिंह